मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को विधानसभा में विधायक दल की बैठक को संबोधित किया। मु.मंत्री ने कहा, भाजपा विधायकों की गुजरात में ट्रेनिंग कराई जायेगी।

‘हिरासत में केजरीवाल का शुगर लैवल गिर रहा है, पर उन्हें रिहा नहीं कर रहे हैं’

आप नेता गोपाल राय ने कहा कि केजरीवाल को ट्रायल कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई थी, पर, साजिश रचकर उन्हें जेल में ही रखा गया है

- सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। इंडिया ब्लाक के नेता आज दिल्ली में जन्तर-मंतर पर एकत्रित हुए और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के स्वास्थ्य में गिरावट के मद्देनजर उन्हें जेल से रिहा करने की मांग की तथा भाजपा नेतृत्ववाली केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह विपक्ष की आवाज़ को ‘‘कुचल’’ रही है।

उन्होंने दिल्ली के ओल्ड राजेन्द्र नगर के एक कोचिंग सेन्टर के बेसमेन्ट में पानी भरने से सिविल सर्विसेज़ की तैयारी करने वाले तीन छात्रों की मौत के भी केन्द्र सरकार को दोषी ठहराया।

यहां धरना-प्रदर्शन के दौरान ‘‘भारत माता की जय’’ और ‘‘तानाशाही का खात्मा हो’’ के नारे भी लगाए गए।

सी.पी.आई. (एम.एल.) लिबरेशन के नेता दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के तीन वरिष्ठ नेताओं केजरीवाल, मनीष सिसोदिया व सत्येन्द्र जैन जेल में डाला हुआ है जो एक ‘‘साजिश का हिस्सा है।’’

भट्टाचार्य ने सभा के दौरान कहा कि ‘‘मोदी सरकार दिल्ली में अराजकता के लिए जिम्मेदार है। इस अराजक अव्यवस्था ने राजेन्द्र नगर में संघ लोक सेवा आयोग के तीन प्रत्याशी छात्रों की जान लेगी।

उन्होंने आगे यह भी कहा कि ‘‘उन्होंने एक सोचे समझे षडयंत्र के तहत आप पार्टी को ध्वस्त करने तथा दिल्ली सरकार को कमजोर करने की काफी कोशिश की। एक निर्वाचित मुख्यमंत्री कारावास में है। दिल्ली में दंगों के झूठे आरोपों में उमर खालिद व अन्य कार्यकर्ता जेल में हैं। भीमा कोरेगांव केस में फादर स्टेन स्वामी को झूठे आरोपों में फंसाने के लिए फर्जी दस्तावेजों का

- आम आदमी पार्टी सहित तमाम इंडिया गठबंधन ने जंतर-मंतर पर धरना दिया और आप नेता व दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को रिहा करने की मांग की।
- रैली में विपक्ष के नेताओं ने कहा कि केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येन्द्र जैन को साजिश के तहत जेल में रखा गया है। दिल्ली में अव्यवस्था के लिए भाजपा जिम्मेदार है, जिसकी वजह से यू.पी.एस.सी. की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थियों की जान चली गई।
- प्रदर्शन में शरद पवार, लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई, राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी भी मौजूद थे।

इस्तेमाल किया गया था जिनकी हिरासत में ही मृत्यु हो गई थी। नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के खिलाफ एक बहुत बड़ा षडयंत्र रचा गया है।’’

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्ववाली केन्द्र सरकार ‘‘उन लोगों की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है जो उनका विरोध करते हैं।’’

उन्होंने आगे कहा कि ‘‘यद्यपि, हाल ही के जनादेश ने यह साबित कर दिया है कि जनता तनाशाही बर्दाश्त नहीं करेगी। हम न्याय सुनिश्चित करेंगे। हरियाणा, महाराष्ट्र व झारखण्ड में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और जनता को चाहिए कि वह भाजपा को करारा जवाब दे और उसे हरा दे। यही करने की जरूरत है।’’

दिल्ली में आप पार्टी के प्रदेश समन्वयक गोपाल राय ने कहा कि जेल में केजरीवाल का शुगर लैवल नीचे गिरता जा रहा है।

राय ने आरोप लगाया कि ‘‘केजरीवाल को ट्रायल कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत प्रदान कर दी गई थी लेकिन उन्हें जेल में ही रखने के लिए एक षडयंत्र रचा गया था। भाजपा विपक्ष के नेताओं को क्यों जेल में रखना चाहती है? यू.पी.एस.सी. के तीन उम्मीदवारों की मौत का जिम्मेदार कौन है? उन्होंने आरोप लगाया कि ‘‘उपराज्यपाल से जब इस घटना के बारे में सवाल किया जाता है तो वे इस पर चुप है। भाजपा, जो आज केजरीवाल का त्यागपत्र मांग रही है उसने ही दिल्ली सरकार की शक्तियां छीन ली हैं। वे अधिकार चाहते हैं परन्तु जब उन्हें जवाबदेह ठहराया जाता है वे भाग जाते हैं।’’

एन.सी.पी.-एस.पी. के अध्यक्ष शरद पवार व लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता भी इंडिया गठबंधन की रैली में उपस्थित थे।

कांग्रेस से राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने अपने भाषण की शुरुआत में केजरीवाल की पत्नी सुनीता को ‘‘प्रतिरोध का प्रतीक’’ बताया।

उन्होंने आरोप लगाया कि ‘‘हम यहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, व पार्टी की नेता सोनिया गांधी व राहुल गांधी की तरफ से केजरीवाल की अवैध गिरफ्तारी के खिलाफ संघर्ष में आप पार्टी व केजरीवाल को समर्थन देने के लिए आए हैं। केजरीवाल की गिरफ्तारी अवैध व असंवैधानिक तरीके से की गई है जो कुछ नहीं बल्कि भाजपा की बदनीयती को दर्शाती है।’’

कांग्रेस व आप पार्टी ने कुछ समय पूर्व सम्पन्न लोकसभा के चुनाव दिल्ली में पूर्व सम्पन्न लोकसभा के चुनाव दिल्ली में गठबंधन के साथ लड़ा था। आप ने चार लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और कांग्रेस ने तीन सीटों पर चुनाव लड़ा था। हालांकि, गठबंधन को चुनावों में एक भी सीट पर विजय नहीं मिली।

गोगोई ने भाजपा व इसके नेताओं को चेतावनी दी कि वे विपक्ष को डरा नहीं सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ‘‘इस रैली से उनका यह भ्रम टूट जाएगा। यदि इस वर्ष हुए लोकसभा के चुनाव निष्पक्ष होते तो भाजपा विपक्ष में बैठी होती और हम सत्ता में होते। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं करेगी।’’

जातिगत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को कड़ी चोट पहुंचाई है और इसीलिए उन पर हुआ हमला काफी तीखा और सटीक था।

जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी द्वारा आरक्षण का विरोध किये जाने और राजीव गांधी के मण्डल आयोग का विरोध करने के कथानक के साथ भाजपा कांग्रेस को आड़े हाथ लेने की तैयारी करके आई थी।

लेकिन, राहुल गांधी ने कहा कि अर्जुन की भांति उनका फोकस जातीय जनगणना तथा आबादी के हिसाब से लोगों को सत्ता में भागीदारी देने पर है।

भाजपा के दलित, ओ.बी.सी. और आदिवासी सांसदों की स्थिति विकट हो गई है, क्योंकि उन्हें जातिगत आरक्षण का विरोध करने में कठिनाई होगी।

सभी मंत्री सप्ताह में एक दिन विधायकों की सुनवाई करें- मुख्यमंत्री भजनलाल

मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को कार्यकर्ताओं के साथ टिफिन बैठक करने के निर्देश भी दिए

जयपुर, 30 जुलाई (का.सं.)। विधानसभा में आज भाजपा विधायक दल की बैठक आयोजित की गई। विधायक दल की पिछली बैठकों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधायकों को ट्रेनिंग देने की मंशा जाहिर की थी, जिसके बाद अब यह तय किया गया है कि अगस्त में दो दिन की चिंतन बैठक आयोजित की जाएगी।

यह बैठक गुजरात में आयोजित हो सकती है। इस बैठक में विधायकों को विधानसभा के नियमों व कार्यप्रणाली के प्रशिक्षण के साथ-साथ क्षेत्र की जनता के साथ संवाद की ट्रेनिंग भी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री पहले ही विधायकों से कह चुके हैं कि वह क्षेत्र की जनता के साथ लगातार संवाद बनाए रखें तथा

- विधानसभा में आयोजित विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री ने विधायकों को विधानसभा के कायदे-कानूनों का प्रशिक्षण देने पर जोर दिया।
- मुख्यमंत्री ने बताया कि विधायकों की 14 दिन की ट्रेनिंग अगस्त में गुजरात में होगी।
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकार के सभी मंत्रियों को सप्ताह में तीन दिन जयपुर रहने के निर्देश दिए और कहा कि विधायकों के काम होने चाहिए।

विधायक का स्टाफ भी जनता के साथ शालीनता से पेश आए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों को सप्ताह में तीन दिन जयपुर में रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इनमें से एक दिन मंत्री विधायकों की सुनवाई करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं और कार्य लेकर जयपुर आते हैं, ऐसे में उनके काम होने चाहिए। सभी मंत्री विधायक के क्षेत्र में अपने विभाग से संबंधित काम को प्राथमिकता से पूरा करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट घोषणाएं धरातल पर उतरें, इसके लिए जरूरी है कि सभी विधायक अपने-अपने क्षेत्र के लिए की गई घोषणाओं के एग्ज़ीक्यूशन की निगरानी रखें।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने विधायकों को निर्देश दिए कि वे पार्टी कार्यकर्ताओं का भी पूरा ध्यान रखें। कार्यकर्ताओं की मेहनत की वजह से ही प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है। ऐसे में जरूरी है कि कार्यकर्ताओं की भावनाओं का भी सम्मान किया जाए। विधायक महीने में एक बार कार्यकर्ताओं के साथ टिफिन बैठक करें तथा भोजन करते हुए उनसे क्षेत्र और उनकी व्यक्तिगत समस्याओं के बारे में जानें और उन्हें हल करने का प्रयास करें।

झारखण्ड में रेल एक्सिडैंट, 18 बोगियां पटरी से उतरीं

हावड़ा-मुम्बई मेल ट्रेन के टकराने से पास में खड़ी मालगाड़ी की भी कुछ बोगियां पटरी से उतर गईं, हादसे में दो लोगों की मौत व 22 घायल हुये हैं

नई दिल्ली, 30 जुलाई। रेलवे ने झारखंड के बाराबांबू स्टेशन के पास मंगलवार को हुए 12810 हावड़ा-मुंबई मेल हादसे में मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। रेलवे की ओर से मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की राशि दी गई है। घायलों को 1-1 लाख रुपये देने की घोषणा की गई। हादसे में अब तक 2 लोगों की मौत हुई है। वहीं झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतक के परिजनों को दो-दो लाख रुपये जबकि घायलों को 50-50 हजार रुपये देने की घोषणा की।

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने घायलों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, रेलवे ने 12810 हावड़ा-मुंबई मेल हादसे में मारे गए दो मृतक यात्रियों के परिजनों को 10-10

- यह दुर्घटना मंगलवार तड़के पौने चार बजे जमशेदपुर से लगभग 80 किलोमीटर दूर बड़ाबम्बू के पास हुई।
- शुरुआती जांच में सामने आया है कि एक रेलवे कर्मचारी ने घटना से आधे घंटे पहले ही दुर्घटना स्थल की जगह पर पटरी में खराबी होने की सूचना दी थी लेकिन इस पर लापरवाही बरती गई और तुरंत कार्यवाही नहीं की गई।

लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी है। रेलवे ने मामूली रूप से घायल 8 लोगों को भी एक-एक लाख रुपये का भुगतान किया है। आधिकारिक बयान में बताया गया कि मृतक यात्रियों- ओडिशा राउरकेला के पी. बिकास और अजीत कुमार सामल के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी गई।

उल्लेखनीय है कि नागपुर के रास्ते चलने वाली 22 कोच वाली 12810 हावड़ा-मुंबई मेल के कम से कम 18 डिब्बे झारखंड के चक्रधरपुर मंडल में बड़ाबम्बू स्टेशन के पास पटरी से उतर गए। इस हादसे में दो यात्रियों की मौत हो गई जबकि 22 अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना तड़के पौने चार बजे दक्षिण-पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के अंतर्गत जमशेदपुर से लगभग 80 किलोमीटर दूर बड़ाबम्बू के पास हुई। एसईआर के प्रवक्ता ओम प्रकाश चरण ने बताया कि पास में एक मालगाड़ी भी पटरी से उतर गई।

नए राज्यपाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व पुलिस अधिकारियों ने भी उनकी अगवानी की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्यपाल बागड़े से मंत्री परिषद के सदस्यों का परिचय करवाया। एयरपोर्ट पर मनोनीत राज्यपाल को आर.ए.सी. की बटालियन ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। राज्यपाल बागड़े ने परेड की सलामी ली और सम्मान गारद का निरीक्षण किया।

मनोनीत राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े का जयपुर राजभवन पहुंचने पर भाव-भरा स्वागत किया गया। उन्हें राजभवन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राजभवन पहुंचने पर राज्यपाल के सचिव गौरव गोयल ने पुष्प गुच्छ भेंट कर राज्यपाल बागड़े की अगवानी की।

मनोनीत राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने राजभवन पहुंचने के बाद, सबसे पहले भगवान शिव की पूजा अर्चना की। उन्होंने राजभवन स्थित राज राजेश्वर मंदिर में जलार्पण कर भगवान को बिल्व पत्र और प्रसाद अर्पण कर सबके मंगल की कामना की। राजभवन के अधिकारियों ने उनका स्वागत करते हुए अपना परिचय दिया। मनोनीत राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने राजभवन पहुंचने के बाद मंगलवार को राज्यपाल कलराज मिश्र से भी मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र ने उनकी अगवानी की।

अकाली दल ने आठ वरिष्ठ नेताओं को पार्टी से निकाला

निष्कासित किये गये सभी नेता पार्टी चीफ सुखबीर बादल से इस्तीफे की मांग कर रहे थे

चंडीगढ़, 30 जुलाई। पंजाब की दूसरी बड़ी विपक्षी पार्टी शिरोमणि अकाली दल ने मंगलवार को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण आठ नेताओं को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया है। साथ ही सात नेताओं को हलका इंचार्ज के पद से भी हटा दिया गया है।

पार्टी ने यह भी घोषणा की है कि पार्टी कार्यकर्ताओं से विस्तृत फीडबैक लेने के बाद इन रिक्तियों को जल्द से जल्द भरा जाएगा। वरिष्ठ नेता बलविंदर सिंह भूंदड़ की अध्यक्षता वाली पार्टी की अनुशासन समिति ने बैठक में इस आशय का निर्णय लिया।

पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निकाले गए आठ वरिष्ठ नेताओ में गुरप्रताप सिंह वडाला, बीबी जागीर कौर, प्रेम सिंह चंदूमाजरा, परमिंदर सिंह ढींडसा, सिकंदर सिंह मलूका, सुरजीत सिंह रखड़ा, सुरिंदर सिंह ठेकेदार और चरणजीत सिंह बराड़ शामिल हैं। इन सभी नेता बगावत करते हुए पार्टी चीफ सुखबीर बादल से इस्तीफे की मांग कर रहे थे। निर्वाचन क्षेत्र प्रभारियों के निष्कासन के बाद खाली हुए सात निर्वाचन क्षेत्रों में नकोदर, भोलाथ, घनुआर, सनौर, समाना, गढ़शंकर और राजपुरा शामिल हैं।

- पार्टी ने इन नेताओं को निष्कासित किये जाने के पीछे की वजह पार्टी का अनुशासन भंग करना बताया है।

बलविंदर भूंदड़ ने बताया कि आत्ममंथन के दौरान यह बात सामने आई कि इन आठ नेताओं ने पार्टी में फूट डालने और इसे कमजोर करने के लिए पार्टी के दुश्मनों के साथ सक्रिय रूप से मिलीभगत की थी। वरिष्ठ नेता ने कहा कि यह भी महसूस किया गया कि इन नेताओं ने व्यापक साजिश के तहत जानबूझकर पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि नेताओं को निष्कासित करने का फैसला सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श के बाद लिया गया था। उन्हें पार्टी फोरम में अपने मुद्दों पर चर्चा करने का पर्याप्त अवसर दिया गया था। गत 26 जून की कार्यसमिति की बैठक में भी प्रस्ताव के माध्यम से उनसे पार्टी फोरम में अपनी शंकाओं पर चर्चा करने की अपील की गई थी, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया।

भूंदड़ ने कहा कि संयम बरतने के बजाय पार्टी नेताओं ने योजनाबद्ध तरीके से पार्टी विरोधी गतिविधियों का दायरा बढ़ाया और स्पष्ट किया कि उन्हें पार्टी संगठन पर कोई भरोसा नहीं है। अनुशासनहीनता के ऐसे कृत्यों को किसी भी तरह बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है और अनुशासन समिति ने उन्हें तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया है। वरिष्ठ नेता ने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी अनुशासन सर्वोपरि है और इसका उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वायनाड के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वायनाड में सभी संभावित सहायता उपलब्ध करवाने का अनुरोध करूंगा।’’ उन्होंने यू.डी.एफ. कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया कि वे राहत और बचाव अभियानों में प्रशासन की मदद करें।’’

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि वायनाड में मेप्पाडी के निकट जबर्दस्त भू-स्खलन से हुई तबाही को लेकर वे बेहद दुखी हैं।

उन्होंने कहा कि ‘‘जिन लोगों ने अपने प्रियजन खोए हैं, उनके लिए मेरी गहरी शोक संवेदनाएं और प्रार्थनाएं। मैं उम्मीद करती हूं और प्रार्थना करती हूं कि जल्द से जल्द सभी सुरक्षित कर लिये जाएंगे।’’

राहुल गांधी ने बाद में लोकसभा में केन्द्र सरकार से मांग की कि प्रभावित लोगों के बचाव और पुनर्वास के लिए सभी संभावित सहयोग प्रदान किया जाए।

इस मुद्दे को शून्य काल में उठाते हुए भू-स्खलन में मारे गए लोगों के सगे संबंधी को बढ़ी हुई क्षतिपूर्ति राशि देने और परिवहन तथा संचार की महत्वपूर्ण लाईन्स को फिर से व्यवस्थित करने की मांग की।

राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश की रायबरेली और केरल की वायनाड लोकसभा सीटों से चुनाव जीते हैं, लेकिन उन्होंने रायबरेली सीट का प्रतिनिधित्व करने का निर्णय लिया है। चर्चा है कि वायनाड में जब भी उपचुनाव होगा वहां से प्रियंका गांधी चुनाव लड़ने जा रही हैं।

3 अगस्त को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ के प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार वो दिल्ली से 3 अगस्त को सुबह 7 बजे सड़क मार्ग से रवाना होकर राजस्थान के बॉर्डर पर सुबह 9 बजे पहुंचेंगे, जहां पर उनका भव्य स्वागत का दौर शुरू होगा। इसके बाद वे बहरोड, कोटपूतली, शाहपुरा होते हुये, जयपुर प्रवेश करेंगे। इन सभी स्थानों पर कार्यकर्ताओं और नेताओं की ओर से उनका स्वागत सत्कार किया जाएगा। करीब 11:30 बजे राठौड़ जयपुर पार्टी कार्यालय पहुंचेगे तथा 12 से 1 बजे के बीच में पदभार ग्रहण करेंगे।

दो दिन जयपुर में रुकने के बाद, राठौड़ 5 अगस्त को दिल्ली जाएंगे और 12 अगस्त तक राज्यसभा की कार्यवाही में शामिल होंगे। उसके बाद 13 अगस्त के बाद प्रदेशाध्यक्ष का पाली आने का कार्यक्रम बनेगा। नवनियुक्त अध्यक्ष के पदभार ग्रहण के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, मंत्रिमंडल के सभी सदस्य, सभी पूर्व अध्यक्ष तथा प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। प्रदेश कार्यालय पर ताजपोशी की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। पार्टी कार्यालय के बाहर और आस पास राठौड के समर्थकों ने पोस्टर लगा दिए हैं। ताजपोशी के मौके पर प्रदेश भर से समर्थकों को जयपुर पहुंचने के लिए कहा जा रहा है। पदभार ग्रहण करने से पहले, पार्टी कार्यालय के बाहर राठौड़ नेताओं, कार्यकर्ताओं के साथ समर्थकों को संबोधित भी करेंगे।

‘यू.पी.ए. राज में सिर्फ दो राज्यों की गिनती होती, बाकी 26 राज्यों की उपेक्षा की जाती थी’

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने बजट में विपक्षी गठबंधन इंडिया शासित राज्यों की अनदेखी किये जाने के आरोपों का सदन में जवाब दिया

नई दिल्ली, 30 जुलाई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने मंगलवार को कहा कि बजट में सभी वर्गों और सभी क्षेत्रों के हितों पर ध्यान दिया गया है। मगर, दुर्भाग्य से विपक्षी दलों के लोग भ्रम फैला रहे हैं और राज्यों की उपेक्षा का आरोप लगा कर राजनीति कर रहे हैं। सीतारमण ने लोकसभा में बजट 2024-25 पर चार दिन चली चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि बजट में सभी वर्गों और सभी क्षेत्र के साधने का प्रयास करके सभी तरह की चुनौतियों से निपटने के प्रावधान किए गए हैं। बजट व्यय में 48.21 लाख करोड रुपये का प्रावधान है जो पिछले साल से 7.3 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बजट भाषण में कभी किसी राज्य का नाम नहीं लेने का मतलब ये नहीं है कि उस राज्य को पैसा नहीं दिया जा रहा है और उसकी उपेक्षा की जा रही है।

- सीतारमन ने कहा कि बजट में सभी वर्गों और सभी क्षेत्र के साधने का प्रयास करके सभी तरह की चुनौतियों से निपटने के प्रावधान किए गए हैं। बजट व्यय में 48.21 लाख करोड रुपये का प्रावधान है जो पिछले साल से 7.3 प्रतिशत अधिक है।

निर्मला सीतारमण ने कहा कि यूपीए सरकार के समय में 2009-10 के पूर्ण बजट में केवल बिहार और उत्तर प्रदेश का उल्लेख किया गया था और 26 राज्यों का उल्लेख तक नहीं था। उन्होंने विभिन्न राज्यों के लिए बजट में योजनाओं के लिए आवंटन की सूची गिनाते हुए कहा कि उनके बजट भाषण में राज्यों की उपेक्षा करने का झूठ फैलाने की कोशिश की गई है, जिससे उन्हें बहुत पीड़ा है। सीतारमण ने कहा कि बजट में पूंजीगत व्यय 11.11 लाख करोड़ रुपये है जो कोविड के पहले की तुलना में तीन गुना हो गया है। कोविड के प्रभाव से उभर कर अर्थव्यवस्था तेजी से बढ रही है। प्रभावी पूंजीगत व्यय 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक है जो पिछले साल के संशोधित अनुमान से 18 प्रतिशत से ज्यादा है।

वित्त मंत्री ने कहा कि कृषि और संबंधित क्षेत्रों के लिए पूंजीगत व्यय 1.52 लाख करोड़ रुपये है। शिक्षा और कौशल पर पर व्यय 1.8 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है जबकि महिलओं बाल विकास के लिए 3.27 लाख करोड़ रुपये है। ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। स्वास्थ्य 1.46 लाख करोड़ रुपये का प्रावधन है। उन्होंने कहा कि हर सामाजिक क्षेत्र के लिए बजट पिछले साल से बढ़ा है और 2013-14 की तुलना में कई गुणा ज्यादा है।

‘मैंने किसी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जानता कि देश में कितने पिछड़े, दलित और आदिवासी हैं ? आबादी में जिनकी संख्या सर्वाधिक है, वे ही नहीं जानते कि वे कितनी संख्या में है। भाजपा सरकार जातिगत आंकड़े नहीं चाहती, फिर भी हम विभिन्न जातिगत समूहों की आबादी जानने के लिए जनगणना के बाद देश बदल जाएगा। भाजपा-कांग्रेस पर आरोप लगाती है कि वह जातिगत आधार पर देश का बंटवारा करने की कोशिश कर रही है।

ममता बनर्जी को बांग्लादेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घुसपैठ को एवं बाँग्लादेश से आने वाले लोगों को पसंद करना तथा उनके प्रति प्रेम जताने से राज्य की राजनीति में साम्प्रदायिकता और बढ़ रही है। साम्प्रदायिक मुद्दे सार्वजनिक रूप से उठाये जा रहे हैं तथा कोई न कोई पक्ष उनका समर्थन कर रहा है। इससे स्थिति बहुत खतरनाक होती जा रही है। एक प्रकार से, बंगाल का वातावरण 1946 की दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की पुनरावृत्ति की तरफ तेजी से मुड़ रहा है।

केन्द्र के हस्तक्षेप की जबरदस्त माँग हो रही है, बल्कि राज्य के कुछ हिस्सों को केन्द्र शासित प्रदेश बनाने तक की माँग भी हो रही है। बहुत से भाजपा विधायकों ने माँग की है कि मालदा, मुर्शिदाबाद तथा उत्तरी बंगाल के कुछ हिस्सों को केन्द्र शासित प्रदेशों का रूप दे दिया जाये।

इन लोगों की माँग की प्रतिक्रिया में, कुछ तृणमूल विधायकों तथा गुंडों ने उन लोगों के खिलाफ कड़े कदम उठाये जाने की धमकियाँ दी हैं, जो यह माँग कर रहे हैं कि राज्य के कुछ हिस्सों को अलग करके उन्हें केन्द्रशासित प्रदेश बना दिया जाये।

उस क्षेत्र के एक प्रमुख तृणमूल नेता ने उन लोगों को खुलेआम चेतावनी दी है जो एक अलग केन्द्र शासित प्रदेश की मांग कर रहे हैं और उनको गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी है। एक विधायक हुमायूं कबीर ने दावे के साथ कहा है कि ऐसे लोगों की हड्डियां तोड़ दी जाएंगी उसके बाद वे अपने पैरों पर खड़े होने लायक स्थिति में भी नहीं रहेंगे।

इसमें कोई शक नहीं कि आज की बिगड़ती स्थिति के फलस्वरूप, पश्चिम बंगाल तेजगति से बारूद के ढेर के रूप तब्दील हो रहा है। राज्य की मुख्यमंत्री अपने कृत्यों और गैर-जिम्मेदाराना बयानों से घोर साम्प्रदायिकता की आग भड़का रही हैं। सम्प्रदायों के बीच गंभीर फसाद उत्पन्न करने व उसके गंभीर परिणाम भुगतने की एक मानसिकता तैयार की जा रही है।

एन.सी.डी.आर.सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जस्टिस सरोज यादव हैं। इन्हें 67 वर्ष की आयु पूर्ण करने अथवा चार वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण होने तक 2.25 लाख मासिक वेतन भुगतान किया जायेगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908